HOME SCIENCE

KURUKSHETRA UNIVERSITY
KURUKSHETRA

B.A. II – SYLLABUS HOME-SCIENCE

Semester-III

Course No.	Title	Exam. duration	Max. marks B.Sc./B.A
201	Physiology	3 Hrs	50 (45+5*)
	Lab-I	3 hrs	50

Semester-IV

Course No.	Title	Exam. duration	Max. marks B.Sc./B.A
202	Clothing and Textile	3 Hrs	50 (45+5*)
	Lab- II	3 hrs	50

* Internal Assessment

Instructions for the Examiner: The examiner will set nine questions in all, selecting four question from each section/unit and one compulsory objective type question.

Instructions for the Candidate : The candidate will attempt five questions in all, selecting at least one question from each unit as well as compulsory question.

Principal
SNRL Jairam Girls College
Lohar Majra, Kurukshetra

Dr. Sarojini Jamadagni
HOD, Home Science
S.N.R.L. Jairam Girls
College, Lohar Majra.

SNRL Jairam Girls College, Lohar Majra, Kurukshetra

BA 2ND YEAR (2023-24)

HOME SCIENCE

SN #	College Roll No	Univ Roll No	Regn No	Candidate Name	Father's Name
1	1222122002010	220068674	22-JL-05	ASHA DEVI	RAMPAL
2	1222122002014	220068641	22-JL-09	GARIMA	ASHOK KUMAR
3	1222122002016	220068670	22-JL-11	NEHA	ASHOK KUMAR
4	1222122002019	220068675	22-JL-14	ANJU RANI	RAMPHAL SINGH
5	1222122002022	220068658	22-JL-91	PREETI	PRAVEEN KUMAR
6	1222122002042	220068663	22-JL-28	SURPREET	AMANDEEP SINGH
7	1222122002053	220068662	22-JL-77	JASKIRAT KAUR	GURBHEJ SINGH
8	1222122002067	220068648	22-JL-41	NICKY	SUKHBIR

Principal
SNRL Jairam Girls College
Lohar Majra, Kurukshetra

NAME – Anju Rani

CLASS – B.A 2nd year

RoLL No – 19 C675

MONTHLY PLANNER / CALENDER

...ARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE

Certificate

Name Anju **Class** B.A IInd

Roll No. 1222122002019 **Exam No.** 22068675

Institution SNRL Jairam Girls College Lohar Majra

This is certified to be the bonafide work of the student in the Home-Science *Laboratory during the academic year* 2023/2024

No of practicals certified 12 *out of* 12 *in the subject of* Home Science

Teacher in-charge

Examiner's Signature

Principal

Principal
SNRL Jairam Girls College
Lohar Majra, Kurukshetra

Date 23.04.24

Institution Rubber Stamp

(N. B. The candidate is expected to retain his/her journal till he/she passes the subject)

सिलाई मशीन

Practical – I

प्रत्येक घर में सिलाई मशीन एक प्रमुख और अति लाभदायक उपकरण है। आजकल मार्किट में कई तरह की अति उपयोगी सिलाई मशीन के मॉडल मिलते हैं। जो कि वस्त्र सिलने के साथ प्लीटस डालने, कढ़ाई करने, रफू करने, काज करने आदि। लगाने के कार्य भी करते हैं। ऐसी सिलाई मशीने परिवार के लिए वरदान है। इसके पुर्जे आसानी से उपलब्ध होने चाहिए तथा इसका मूल्य हमारे परिवार के बजट से मेल खाता होना चाहिए।

सिलाई मशीन के हिस्से

1. **माथा** → सारी मशीन स्टैण्ड और केबिनेट के बिना माथा कहलाती है।

2. **बाजू** → माथे का वह हिस्सा जिसमें मोड़ होता है बाजू कहलाता है।

3. **स्पूल पिन** → यह बाजू पर ऊपर की तरफ खड़ी हुई अवस्था में लोहे की डण्डी होती है जो रील को पकड़ती है।

4. **आधार** → मशीन का निचला हिस्सा जो समतल होता है और जिसमें शटल दाँते और

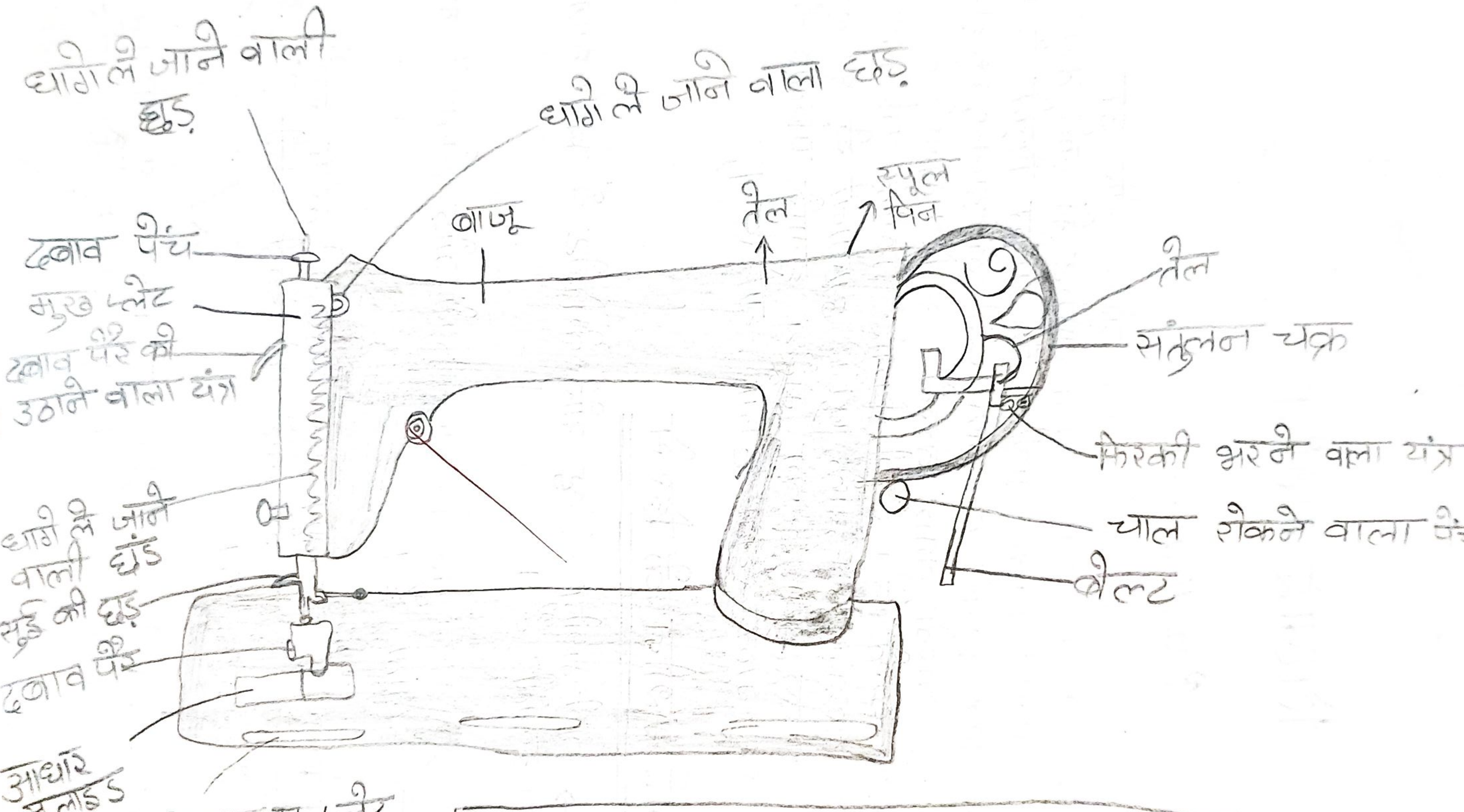

सिलाई मशीन के अलग - 2 हिस्से

टेढ़ा कच्चा टाँका

छोटा बड़ा कच्चा टाँका

कच्चा टाँका

एक जैसा कच्चा टाँका

चुन्नटें

चुन्नटें

किसी भी कपड़े में चुन्नटें डालने का मुख्य उद्देश्य कपड़े में भरपूता देना होता है। चुन्नटें डालने के लिए नाप के अलावा फालतू कपड़ा लिया जाता है। और धागे खींचकर अतिरिक्त कपड़े को नाप तक एकत्रित करना चाहिए। अधिकतर चुन्नटों का ~~माप तक~~ प्रयोग फ्रिल, झालर, कफ, पेटीकोट, स्कर्ट, बाजू के ऊपर के हिस्से में छाती के स्थान पर तथा गले के स्थान पर किया जाता है। (i) ढीली फिटिंग (ii) सफाई (iii) आराम दायकता (iv) सुन्दरता पैदा करने के लिए (v) क्रियाशीलता में स्वतन्त्रता।

चुन्नटें डालने की विधि → चुन्नटों की संख्या जितनी रखनी हो उसी प्रकार कपड़ा लेना चाहिए। यदि चुन्नटों पर बॉडिस अथवा बैंड लगानी हो तो कपड़े का माप बॉडिस अथवा बैंड की चौड़ाई से दोगुना होनी चाहिए।

टक्स

टक्स

टक्स वस्त्र की तंग फोल्ड है जो पूरी लं० तक समान चौड़ाई की होती है। इनकी सिलाई पूरी लं० तक होती है। इसमें फूला हुआ कपड़ा टक्स के नीचे की तरफ रहता है। टक्स को कभी अकेला नहीं बनाया जाता है। इनको दो अथवा अधिक टक्स के ग्रुप में बनाया जाता है, टक्स की इच्छित चौड़ाई से तीन गुणा अधिक वस्त्र लेकर किसी समतल स्थान पर बिछाकर टक्स के निशान लगा देनी चाहिए।

टक्स बनाते हुए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

→ (i) टक्स ताने के बाने के और दोनों तरह से धागों पर बनाए जाते हैं।

(ii) टक्स केंद्र से दूर समतल रूप में प्रेस किए जाते हैं।

टक्स के प्रकार

→ (i) हाथ के द्वारा बनाए टक्स → कपड़े का किनारा टक्स के लिए मोड़ लो और इनको रनिंग टांके से बारीक धागा और बारीक सूई लेकर सिल लो।

(ii) मशीन के द्वारा बने टक्स → मशीन के द्वारा टक्स बनाने के लिए विशेष तरह के सहायक मशीन के पुर्जे मिलते हैं जिनके द्वारा 1/4 इंच अथवा, इंच के टक्स बनते हैं।

कढ़ाई के टाँके (Practical-3)

1. जंजीरी टाँका

→ जंजीरी टाँके की कई विभिन्नताएँ है और यह गोलाई की रेखाओं को बनाने के लिए अच्छा टाँका है। इस टाँके को जंजीरी टांका इसलिए कहते है। क्योंकि यह जंजीर के समान नज़र आता है। इसको बनाने के लिए सुई को डिज़ाइन के अनुसार कपड़े में से निकाल कर धागे को सुई के आगे लाकर कुंडी सी बनाई जाती है। जहाँ से सुई बाहर निकाली जाती है, वहीं से दूसरा टाँका शुरू होता है। इस टाँके का प्रयोग भरने के लिए और बाहरी रेखा बनाने के लिए किया जाता है।

2. डण्डी टाँका

→ इसको नमूने के रेखा के साथ बाएं से दाएं और टाँके लिए जाते है। यह टाके टेढ़े परन्तु थोड़े छोटे होते है, धागे को पिछले टाँके के बायीं ओर रखना चाहिए यदि पतली रेखा चाहिए, तो टाँके को दायें से बांये ओर लेना चाहिए। यदि इस टाँके की रेखाओं को पास-पास रखा जाता है तो यह टाँका भरवे टाँके का कार्य करता है। इस टाँके को उल्टी बखिये के नाम से जाना जाता है। इसलिए इसके द्वारा पत्तियाँ तथा डंडी बनायी जाती है। इस टाँके का प्रयोग अन्य टाँको के साथ किया जाता है जैसे जंजीरी भरवा आदि।

जंजीरी
टाँका

Good

डण्डी
टाँका

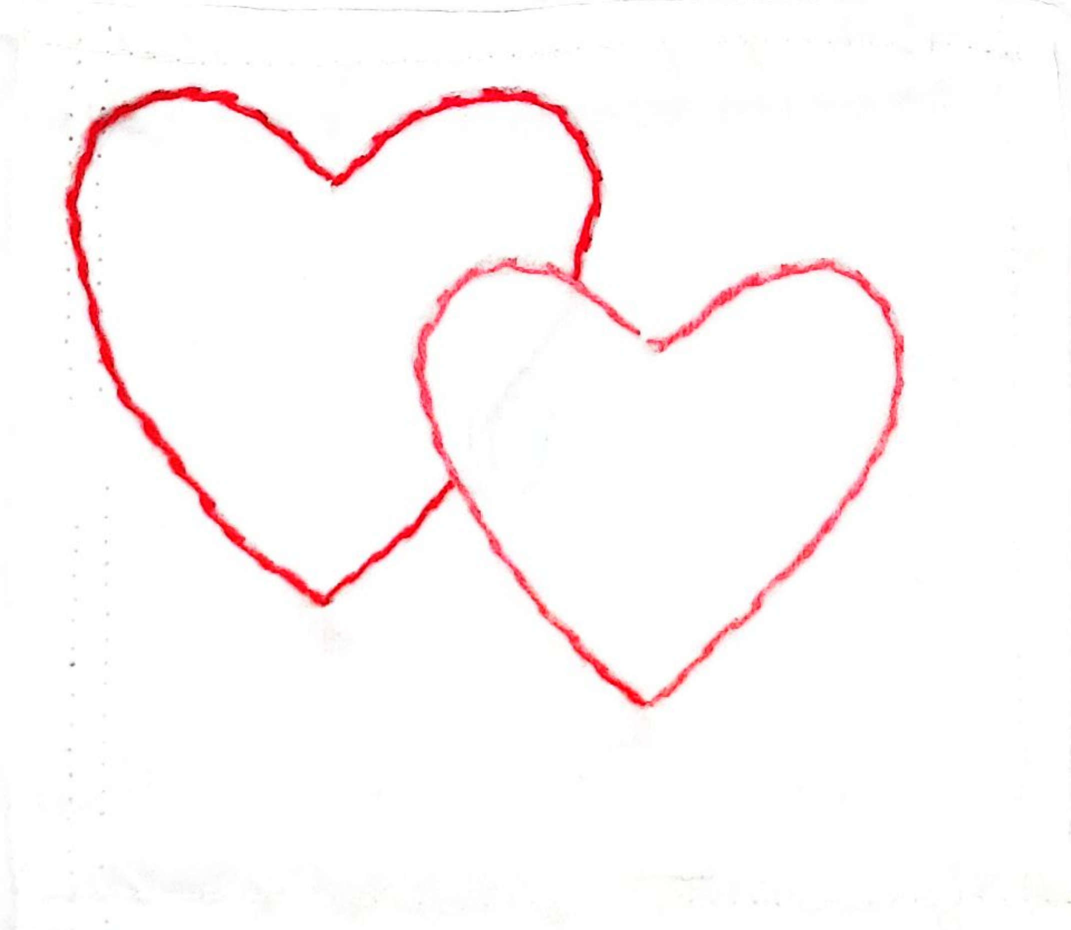

Practical – 4

बुनाई

बुनाई की विधि बहुत पुरानी विधि है। इसके द्वारा मफरल स्वैटर, शालें, जुराबें बुने जाते हैं। हाथ के साथ बुनाई करने के लिए दो सिलाइयों टेप तथा ऊन चाहिए होती है।

बुनाई वस्त्रों की महत्ता

(i) बुने हुए वस्त्रों को जल्दी बनाया जा सकता है।

(ii) यह हल्के भार के होते हैं।

यदि कोई व्यक्ति बुनाई करना सीख रहा है, तो उसे निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

1. **बुनाई वाली सिलाइयों को ठीक से पकड़ना** → दाये हाथ की सिलाई को पकड़ना बुनाई करने के लिए प्रत्येक हाथ में एक-एक सिलाई पकड़ी जाती है। तर्जनी अंगुली तथा अंगूठे के बीच में दायी सिलाई को पकड़ा जाता है।

बायीं सिलाई को पकड़ना → बायें हाथ की सिलाई को ऊपर के अंगूठे तथा तर्जनी अंगुली से पकड़ते हैं, ताकि सिलाई के ऊपर के भाग संचालन ठीक से हो सकें।

रंगाई करते हुए ध्यान रखने योग्य बातें

1. रंग को अच्छी तरह घोलकर प्रयोग करना चाहिए।
2. जिस स्थान पर रंगाई करनी हो, उस स्थान पर रंगाई वाले बर्तन के नीचे कोई व्यर्थ का पेपर अथवा कपड़ा बिछा लेना चाहिए।
3. वस्त्र को जिस हिस्से पर रंग नहीं करना हो, उसे बांधना चाहिए
4. रंग पक्का और अच्छी किस्म का होना चाहिए।
5. रंग को पहले थोड़ी पानी में पेस्ट बनाकर बाकी के पानी में डालनी चाहिए।